

मां का द्वया स्वरूप  
ब्रह्मचारिणी

गौरवर्णा स्वाधीनसंस्था  
द्वितीय दुर्गा त्रिवेत्रा।  
धब्बल परिधाना ब्रह्मस्त्रपा  
पुष्पालंकर भूषिताम्।

गौरवर्णा स्वाधीनसंस्था  
द्वितीय दुर्गा त्रिवेत्रा।  
धब्बल परिधाना ब्रह्मस्त्रपा  
पुष्पालंकर भूषिताम्।

## कलश स्थापन के साथ मां की पूजा-अर्चना शुरू



डोर्टेंड जैप-1 में नवरात्र के पहले दिन कलश स्थापना में शामिल महिलाएं। फोटो- समीर

राज्य के पहले ट्रांसपोर्ट नगर का सीएम ने किया उद्घाटन  
मिलेगी जाम से मुक्ति  
बढ़ेंगे रोजगार : हेमंत

## फेज -1 का उद्घाटन व फेज -2 की रखी आधारशिला

- ट्रांसपोर्ट व्यवसाय को मिलेगी गति
- ट्रांसपोर्ट व्यवसाईयों को मिला स्थायी ठिकाना,
- एक ही जगह सभी सुविधाएं मिलेंगी



## खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राजधानी को राज्य के पहले ट्रांसपोर्ट नगर की गुरुवार को सीएम नेतृत्व से शरकार बड़ी सौगत दी। इस मैटे के पर मासिकों को मारने वाला भाजपा का राजीव गांधी के लोकल शख जोन के संबोधन कराया रहा। उन्होंने गुरुवार को उत्तराखण्ड के लोकल शख का राज्य के पहले ट्रांसपोर्ट नगर से जहां यातायात और परिवहन व्यवस्था सुगम एवं सुधृद होगा, वहीं ट्रांसपोर्ट व्यवसाय को गति मिलेगी। सीएम ने गुरुवार को

राजधानी रांची के सुकुरहूट में नगर विकास एवं आवास विभाग द्वारा नवनिर्मित ट्रांसपोर्ट नगर के फेज-1 का उद्घाटन एवं फेज-2 की आधारशिला रखते हुए उक्त वार्ते कही। उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्ट आवाजे को अवसर बढ़ेंगे। ट्रांसपोर्ट नगर से जहां यातायात और परिवहन संवर्धित सभी सुविधाएं एक छत के नीचे मिल जायेंगी।

सीएम ने कहा कि राजधानी के

लोगों को अब शहर के भीतर भारी

राजधानी रांची को गुरुवार के

पहले ट्रांसपोर्ट नगर की सीएम

नवनिर्मित ट्रांसपोर्ट नगर के फेज-

1 का उद्घाटन एवं फेज-2 की

आधारशिला रखते हुए उक्त वार्ते

कही। उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्ट

व्यवसायों को कराया रहा।

उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्ट एवं

व्यवसायों को कराया रहा।

उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्ट एवं

व्यवसायों को कराया रहा।

उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्ट एवं

व्यवसायों को कराया रहा।

उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्ट एवं

व्यवसायों को कराया रहा।

उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्ट एवं

व्यवसायों को कराया रहा।

उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्ट एवं

व्यवसायों को कराया रहा।

उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्ट एवं

व्यवसायों को कराया रहा।

उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्ट एवं

व्यवसायों को कराया रहा।

उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्ट एवं

व्यवसायों को कराया रहा।

उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्ट एवं

व्यवसायों को कराया रहा।

उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्ट एवं

व्यवसायों को कराया रहा।

उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्ट एवं

व्यवसायों को कराया रहा।

उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्ट एवं

व्यवसायों को कराया रहा।

उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्ट एवं

व्यवसायों को कराया रहा।

उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्ट एवं

व्यवसायों को कराया रहा।

उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्ट एवं

व्यवसायों को कराया रहा।

उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्ट एवं

व्यवसायों को कराया रहा।

उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्ट एवं

व्यवसायों को कराया रहा।

उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्ट एवं

व्यवसायों को कराया रहा।

उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्ट एवं

व्यवसायों को कराया रहा।

उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्ट एवं

व्यवसायों को कराया रहा।

उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्ट एवं

व्यवसायों को कराया रहा।

उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्ट एवं

व्यवसायों को कराया रहा।

उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्ट एवं

व्यवसायों को कराया रहा।

उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्ट एवं

व्यवसायों को कराया रहा।

उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्ट एवं

व्यवसायों को कराया रहा।

उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्ट एवं

व्यवसायों को कराया रहा।

उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्ट एवं

व्यवसायों को कराया रहा।

उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्ट एवं

व्यवसायों को कराया रहा।

उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्ट एवं

व्यवसायों को कराया रहा।

उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्ट एवं

व्यवसायों को कराया रहा।

उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्ट एवं

व्यवसायों को कराया रहा।

उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्ट एवं

व्यवसायों को कराया रहा।

उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्ट एवं

व्यवसायों को कराया रहा।

उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्ट एवं

व्यवसायों को कराया रहा।

उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्ट एवं

व्यवसायों को कराया रहा।

उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्ट एवं

व्यवसायों को कराया रहा।

उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्ट एवं

व्यवसायों को कराया रहा।

उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्ट एवं

व्यवसायों को कराया रहा।

उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्ट एवं

व्यवसायों को कराया रहा।

उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्ट एवं

व्यवसायों



# जैप-1 मंदिर में सैन्य सम्मान और फायरिंग के साथ कलश स्थापना

● जैप-1 दुर्गा मंदिर में दुर्गा पूजा पर वर्षों से चल आ रही है अनोखी परंपरा

खबर मन्त्र संवाददाता



रांची। ज्ञारखंड की राजधानी रांची में एक जगह दुर्गा पूजा में अनोखी परंपरा का वर्षों से निर्बाह किया जा रहा है। वहां सैन्य सम्मान और फायरिंग के साथ मां दुर्गा के घट (कलश) की स्थापना होती है। इस वर्ष भी इस परंपरा का पालन

किया गया। इसके साथ ही शारदीय नवरात्रि की शुरुआत हो गयी है। डोरंडा के जैप-1 स्थित दुर्गा मंदिर में गुरुवार से शारदीय नवरात्रि की

शुरुआत हो गयी। वहां पर पूरे सैनिक सम्मान के साथ माता रानी के जयकारे के साथ कलश की स्थापना की गयी। वहां कलश पर

धून से मां के आगमन का स्वागत किया। इस सौंके पर पुरोहित सहृदेव उग्राध्याय ने शारदीय नवरात्रि की पूजा अनुष्ठान करायी।

## भक्तों ने घरों और पूजा पंडालों में कलश स्थापित किया

मां शैलपुत्री की आराधना कर की समृद्धि की कामना



खबर मन्त्र संवाददाता

गायत्री का लघु अनुष्ठान प्रारंभ किया।

रांची। शारदीय नवरात्रि प्रारंभ होने के साथ ही गुरुवार को जिले में श्रद्धालुओं ने कलश स्थापना कर मां भगवती की पूजा आराधना प्रारंभ की।

अपने घरों में कलश स्थापित कर माता दुर्गा का सुपुत्राठ, सम्पूर्ण पाठ, श्रीरामचरितमानस नवाह जारी और सुख-समृद्धि की कामना की जायेगी।

**सीआरपीएफ जवान ने की आत्महत्या**

रांची। राजधानी में सीआरपीएफ के एक जवान ने आत्महत्या कर ली। आत्महत्या की घटना रांची के सेसी सीआरपीएफ कैप की है। गृहक जवान की पहचान बाकरों निवासी राहुल कुमार के रूप में हुई है। जानकारी मिलने के बाद रांची पुलिस और सीआरपीएफ दोनों ही पहुंचे हैं। निवासी राहुल की अधिकारी मोके पर पहुंचे हैं तथा देखा कि जवान जीवन पर गिर पड़ा है और चारों तरफ खून बिखरा हुआ है। इधर कैप में रहनेवाले सीआरपीएफ जवानों का कहना है कि उन्हें फारर की आवाज सुनाई दी थी, जिसके बाद गहुल के आत्महत्या की बात समान आई। रांची के रुलर एसपी समित अग्रवाल ने बताया कि मामले की जानकारी मिलने के बाद रांची पुलिस और सीआरपीएफ को जारी शब्द के साथ देखते हुए शहरवासी को बोलता है। हम सभी को जांची रखना है। कार्यक्रम में स्वच्छा को जीवनशीली की अभिन्न हिस्सा बनाने, सोत पृथक्करण को बढ़ावा देने और गीला-सुख कठिन करना का आवाज आत्महत्या की बात की जिम्मेदारी और सिविल सेवाओं के जिये की गई। इस कार्यक्रम की अधिकारी मोके के बाद रांची पुलिस और सीआरपीएफ जवानों का कहना है कि उन्हें फारर की आवाज सुनाई दी थी, जिसके बाद गहुल के आत्महत्या की बात समान आई। रांची के रुलर एसपी समित अग्रवाल ने बताया कि मामले की जानकारी मिलने के बाद रांची पुलिस और सीआरपीएफ अधिकारी असंकेंस में है। जवान 26 दिनों की छहुई लेकर अपने घर गया है। निवासी राहुल की अधिकारी ने एक बेटे को जन्म दिया था। 26 दिनों की छहुई के बाद 30 दिन से रहने वाले जवान जीवन पर गिर पड़ा है और जारी रहने वाले जवान जीवन पर गिर पड़ा है। इधर, जवान के परिजनों को भी मामले की जानकारी दी गई है।

**एनडीआरएफ जवान का शव पेड़ से लटका मिला**

रांची। एनडीआरएफ थाना क्षेत्र के पेंचर टोली मैदान में गुरुवार को एक जवान का शव इमीरी की पेड़ से लटका हुआ मिला। शव की पहचान जय लकड़ा के रूप में हुई है। वह एनडीआरएफ का जवान था। मूल रूप से वह जीर्णपाद का रहने वाला बताया जा रहा है। गुरुवार सुबह स्थानीय पाने शेव देखने के बाद जीर्णपाद की पुलिस की दो गोली और शव को पेड़ से नीचे उतारकर पोस्टमार्ट के लिए भेज दिया। प्रथम दियाया आवाज जारी हो रही है कि जवान ने पेड़ से लटका कर उतारकर गुरुवार को लकड़ा देकर अपने घर लौटा रहा है।

रांची। एनडीआरएफ जवान की अधिकारी ने जवान को लकड़ा देकर अपने घर लौटा रहा है।

उन्होंने जवान को लकड़ा देकर अपने घर लौटा रहा है।

उन्होंने जवान को लकड़ा देकर अपने घर लौटा रहा है।

उन्होंने जवान को लकड़ा देकर अपने घर लौटा रहा है।

उन्होंने जवान को लकड़ा देकर अपने घर लौटा रहा है।

उन्होंने जवान को लकड़ा देकर अपने घर लौटा रहा है।

उन्होंने जवान को लकड़ा देकर अपने घर लौटा रहा है।

उन्होंने जवान को लकड़ा देकर अपने घर लौटा रहा है।

उन्होंने जवान को लकड़ा देकर अपने घर लौटा रहा है।

उन्होंने जवान को लकड़ा देकर अपने घर लौटा रहा है।

उन्होंने जवान को लकड़ा देकर अपने घर लौटा रहा है।

उन्होंने जवान को लकड़ा देकर अपने घर लौटा रहा है।

उन्होंने जवान को लकड़ा देकर अपने घर लौटा रहा है।

उन्होंने जवान को लकड़ा देकर अपने घर लौटा रहा है।

उन्होंने जवान को लकड़ा देकर अपने घर लौटा रहा है।

उन्होंने जवान को लकड़ा देकर अपने घर लौटा रहा है।

उन्होंने जवान को लकड़ा देकर अपने घर लौटा रहा है।

उन्होंने जवान को लकड़ा देकर अपने घर लौटा रहा है।

उन्होंने जवान को लकड़ा देकर अपने घर लौटा रहा है।

उन्होंने जवान को लकड़ा देकर अपने घर लौटा रहा है।

उन्होंने जवान को लकड़ा देकर अपने घर लौटा रहा है।

उन्होंने जवान को लकड़ा देकर अपने घर लौटा रहा है।

उन्होंने जवान को लकड़ा देकर अपने घर लौटा रहा है।

उन्होंने जवान को लकड़ा देकर अपने घर लौटा रहा है।

उन्होंने जवान को लकड़ा देकर अपने घर लौटा रहा है।

उन्होंने जवान को लकड़ा देकर अपने घर लौटा रहा है।

उन्होंने जवान को लकड़ा देकर अपने घर लौटा रहा है।

उन्होंने जवान को लकड़ा देकर अपने घर लौटा रहा है।

उन्होंने जवान को लकड़ा देकर अपने घर लौटा रहा है।

उन्होंने जवान को लकड़ा देकर अपने घर लौटा रहा है।

उन्होंने जवान को लकड़ा देकर अपने घर लौटा रहा है।

उन्होंने जवान को लकड़ा देकर अपने घर लौटा रहा है।

उन्होंने जवान को लकड़ा देकर अपने घर लौटा रहा है।

उन्होंने जवान को लकड़ा देकर अपने घर लौटा रहा है।

उन्होंने जवान को लकड़ा देकर अपने घर लौटा रहा है।

उन्होंने जवान को लकड़ा देकर अपने घर लौटा रहा है।

उन्होंने जवान को लकड़ा देकर अपने घर लौटा रहा है।

उन्होंने जवान को लकड़ा देकर अपने घर लौटा रहा है।

उन्होंने जवान को लकड़ा देकर अपने घर लौटा रहा है।

उन्होंने जवान को लकड़ा देकर अपने घर लौटा रहा है।

उन्होंने जवान को लकड़ा देकर अपने घर लौटा रहा है।

उन्होंने जवान को लकड़ा देकर अपने घर लौटा रहा है।

उन्होंने जवान को लकड़ा देकर अपने घर लौटा रहा है।

उन्होंने जवान को लकड़ा देकर अपने घर लौटा रहा है।

उन्होंने जवान को लकड़ा देकर अपने घर लौटा रहा है।

उन्होंने जवान को लकड़ा देकर अपने घर लौटा रहा है।

उन्होंने जवान को लकड़ा देकर अपने घर लौटा रहा है।

उन्होंने जवान को लकड़ा देकर अपने घर लौटा रहा है।

उन्होंने जवान को लकड़ा देकर अपने घर लौटा रहा है।

उन्होंन









# चिकनगुनिया और डेंगू के कहर से बचें

**अल्प अंबलिका**  
मलेशिया, डेंगू और चिकनगुनिया से सभी बीमारियां मच्छर के काटने से होती हैं।

बाजूद इसके बीमारियों के लक्षण में काफी फर्क होता है जैसके आधार में वो अपना उचार सही ढंग से नहीं करता पाते हैं। आइए जानते हैं आखिर किस तरह अलग होता है डेंगू का वायरस चिकनगुनिया के वायरस से और क्या है इसके घरेलू उपचार।

## चिकनगुनिया और डेंगू के लक्षण

चिकनगुनिया और डेंगू में अनेक लालू बुखार के लक्षण लगभग एक जैसे ही होते हैं। लालूकिं माना जाता है कि डेंगू का वायरस चिकनगुनिया के वायरस से ज्यादा खतरनाक होता है। डेंगू में लगातार गिरते प्लेटलेट्स की बजह से व्यक्ति को बेहद कमज़ोरी महसूस होती है। जबकि चिकनगुनिया से व्यक्ति 1 से 12 दिन तक पीड़ित रहता है। इसकी बजह से शरीर में कई सालों तक दर्द बना रहता है।

- चिकनगुनिया के मरीज़ को जोड़े में तेज दर्द होता है। यही दर्द डेंगू और चिकनगुनिया के मरीज़ को लक्षणों में एक-दूसरे से अलग करता है। कुछ लोगों को इस दर्द से राहत पाने में 6 महीने से 1 साल तक का वक्त लग जाता है जिकनगुनिया में हथेलियों और पांवों के साथ पूरे शरीर पर रेशेज हो जाते हैं। वहाँ, डेंगू में चेहरे और चमड़ी पर लाल रेशेज होते हैं।

- बुखार के कारण अमरीत पर भी मरीज़ के शरीर में दर्द होता है, लैकिन चिकनगुनिया से बचने के लिए



चिकनगुनिया से पीड़ित व्यक्ति के पूरे शरीर में काफी दर्द रहता है। मरीज़ का पूरा शरीर दर्द से दूर रहा होता है। सबसे ज्यादा तकलीफ जोड़े के दर्द के कारण होती है डेंगू में दर्द अधिक होने की बजह से बिल्डिंग और सांस लेने में भी दिक्कत आ सकती है।

- चिकनगुनिया के मरीज़ के शरीर पर लाल रंग के रेशेज हो जाते हैं। रोगी के शरीर पर खुलजाली हो सकती है। उसके शरीर पर चकत्ते भी निकल सकते हैं।

- चिकनगुनिया वायरस का सीधा असर जॉइंट्स पर होता है। जिसकी बजह से लाल दर्द से बेचैन हो जाते हैं। बचाव - चिकनगुनिया से आशंका एं आधार पर डॉक्टर से

फिलहाल कोई टीका अभी तक उपलब्ध नहीं हो पाया है। इस बीमारी से बचने का सबसे प्रभावी तरीका है खुद को मच्छरों से बचाए रखें।

- अनेक घर के आसापास की जगह पर सफाई रखें।

- घर के पास पानी न जमा जाने दें। बात दें, डेंगू और चिकनगुनिया के मच्छर सफाई पानी में ही पैदा होते हैं।

- चिकनगुनिया के मच्छर ज्यादातर दिन के समय काटते हैं। इसलिए सिर्फ रात ही नहीं बिल्कुल दिन के मौसम में वह घेरेलू दवा चिकनगुनिया के रोगी को इस बीमारी से बुटकारा दिला सकती है।

आयुर्वेद विशेषज्ञों के अनुसार गिरिये एक आयुर्वेदिक जड़ी बूटी है, डेंगू में इसके पत्तों के रोग का सेवन करने से लाभ मिलता है। डेंगू का बुखार 5 से 6 दिन के अंदर अपना

सलाह लेकर ही दवा लें। डॉक्टर को दिखाए बिना अपनी मर्जी से ही कोई दवा लेने की भूल बिल्कुल ना करें।

पचास-

औषधीय गुणों से भी तुलसी का प्रयोग, चिकनगुनिया में असृत के समान है। नीम की गिलोय, सोंठ, छोटी पीपल और गुड़ के साथ तुलसी का काठा बनाकर चिकनगुनिया के रोगी को पीने के लिए दें। मात्र 3 खुबान में वह घेरेलू दवा चिकनगुनिया के रोगी को इस बीमारी से बुटकारा दिला सकती है।

आयुर्वेद विशेषज्ञों के अनुसार गिरिये एक आयुर्वेदिक जड़ी बूटी है, डेंगू में इसके पत्तों के रोग का सेवन करने से लाभ मिलता है। डेंगू का बुखार 5 से 6 दिन के अंदर अपना

सफेद निशानों के साथ पेट खारब, जी

असर दिखाना शुरू कर देता है। जिसकी बजह से शरीर में तेजी से प्लेटलेट्स का स्तर कम होने लगता है। इसके निजात पाने के लिए गिरिये और 7 तुलसी के पत्तों का रस पीने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। यह रक्त के प्लेटलेट्स का स्तर भी बढ़ता है। गिरिये की कड़वाहट को कम करने के लिए इसे किसी अन्य जूस में मिलाकर पी सकते हैं।

इटर्नेशनल मेडिकल एसो. के मुताबिक अगर डेंगू के मरीज़ का प्लेटलेट्स कार्डिंग 10,000 से कम होने लगता है तो प्लेटलेट्स ट्रांसफ्यूजन की जरूरत नहीं होती और नाहीं ही यह खररे का सकेत है। लेकिन अगर डेंगू के मरीज़ का प्लेटलेट्स कार्डिंग 10,000 से लगातार लगता है तो यह खररनाक हो सकता है। इसे देखिए, कैसे फैलती है ये बीमारी, क्या काणण हैं और कैसे होगा

बचाव? बहुत से लोगों को नहीं पता कि डेंगू का मच्छर गंदी नालियों में नहीं बिल्कुल साफ सुधरे पानी में पनपते हैं। साफ सुधरे शहरी इलाकों में रहने वाले लोगों को इसके ज्यादा खतरा रहता है। अगर अपको डेंगू हो जाए तो घबराए नहीं, भरपूर मात्रा में तरल आहार लें, बिल्कुल बचाव की जगह रात्रि 3 खुबान में वह घेरेलू दवा चिकनगुनिया के रोगी को इस बीमारी से बुटकारा दिला सकती है।

आयुर्वेद विशेषज्ञों के अनुसार

गिरिये एक आयुर्वेदिक जड़ी बूटी है, डेंगू में इसके पत्तों के रोग का सेवन करने से लाभ मिलता है। डेंगू का

बुखार 5 से 6 दिन के अंदर अपना

## इन दोगों में न करें पपीता का सेवन होगा नुकसान

इस बात से तो हम सब अच्छे से बाकिफ है कि पपीता हमारी सेहत के लिए काफी है।

इसमें मौजूद विटामिन हमें कई बीमारियों से दूर रखने में मदद करते हैं। मैनीशियम, पोटेशियम,

नियासिन, प्रोटीन, कैरोटीन और प्राकृतिक फाइबर से भरपूर पपीता हमारी पाचन क्षमता को बढ़ावा देता है।

पपीता का लाभ जानते हैं कि

अधिक मात्रा में इसके सेवन से हमें

यह नुकसान भी पहुंच सकता है।

आइए जानते हैं कि जिन

लोगों को इसके सेवन

से बचना

चाहिए...प्रेग्नेंट

महिलाओं को इसके सेवन

से बचना

चाहिए

पपीता

खासकर

कच्चा

पपीते

को ज्यादा

मात्रा में

खाना

प्रेग्नेंट

महिलाओं के

के लिए

हानिकारक

साबित हो

सकता है, बिल्कुल

इसके सेवन से आपका

गर्भाशय के सिकुड़ने की

संभवाना काफी कम होती है।

जानते हैं और जिस वजह से गर्भाशय

हो सकता है। बल्ल प्रेशर के मरीजों

को बनाकर रखनी चाहिए दूरी

पपीता का सेवन करना बल्ल प्रेशर

के प्लेटलेट्स के लिए नुकसानावक

साबित होता है। जो लोग बल्ल प्रेशर

की दबाव लेकर बड़ा देता है। नाशे में

नियमित ब्रेड खाने से डायबिटीज, पश्चिमी और दिल की गिलोय और गुड़ के लिए गिरिये और खुलजाली के जारी रहता है। इसमें हरी साजियां

भरकर भरवां पराठा खाएं, तो ये कम नुकसानदायक होते हैं। मल्टीप्रीन आटे के भरवां पराठे खाएं, तो ये कम नुकसानदायक होते हैं। इसमें नमक और चीज़ी भी ज्यादा

बचाव होता है। इसमें रसिफ़ाइंड ब्रेड, जूस, एपिंटेक्स आदि होते हैं। इसमें नमक और चीज़ी भी ज्यादा होती है।

पैकेज्ड फूड और सिंथेटिक जूस

नाशे में मेज पर तीसरे सबसे

खतरनाक नाशे में होते हैं। पैकेज्ड फूड और सिंथेटिक जूस का बहुत ज्यादा चीज़ी, नमक और फैट होता है। इनमें नमक और चीज़ी भी ज्यादा होती है।

इनमें नमक और चीज़ी भी ज्यादा होती है।

पैकेज्ड फूड की पैकेजिंग में इस्तेमाल



# दिव्यांगजनों की असाधारण प्रतिभाओं का उत्सव है एबिलिंपिक्स : बन्जा गुप्ता

■ झारखंड में ईंटर्ट जॉन एबिलिंपिक्स 2024 का स्वास्थ्य मंत्री ने किया उद्घाटन  
■ 7 पूर्ण राज्यों से दिव्यांगजन विभिन्न व्यावसायिक कौशलों मेंकर रहे हैं प्रतिस्पर्धा

## खबर मन्त्र व्यूटो

जमशेदपुर। नेशनल एबिलिंपिक एसोसिएशन ऑफ इंडिया (ठारअक) द्वारा आयोजित ईंटर्ट जॉन क्षेत्रीय एबिलिंपिक्स 2024 आज जमशेदपुर (झारखंड) के राज्यपाल संघान गणवार से मुलाकात किया। इस दौरान उन्होंने महामहिम को अंगवर्ष भेंट कर उनका स्वागत किया। श्री महतो ने बताया कि विंगत दिनों गोपाल में आयोजित कर्मस महोदय में शामिल होने के लिए राज्यपाल महादय को आयोजित किया गया था। परंतु उक्त नियायिक तिथि को ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम एवं भारी बारिश के कारण ऊपरोंपाई की स्थिति के कारण वो कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके थे। उन्होंने बताया कि राज्यपाल से मुलाकात के दौरान झारखंड में कुड़मी समाज के विभिन्न लाभित मामों की ओर उनका जन आकृष्ट कराया गया। जल्द समाज का एक प्रतिनिधिमत राज्यपाल महादय से मिलकर उन्हें ज्ञान सौंपेंगा।

ज्ञानमोगो ने दिवंगत नेता अंसारी को याद किया



■ झारखंड की विधायक सभिता महतो ने किया शिलान्यास

## खबर मन्त्र व्यूटो

चांडिल। पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल सरायकेला खरसावां के अंतर्गत चांडिल प्रखण्ड क्षेत्र के एन एच 33 कांदरबेड़ा से दोमुहानी 8 किमी फोरलेन सङ्कट के सुट्टीकरण और चौड़ीकरण पुनः निर्माण कार्य का शिलान्यास गुरुवार को विधायक सभिता महतो ने कहा कि कांदरबेड़ा से दोमुहानी 8 किमी फोरलेन सङ्कट के सुट्टीकरण और चौड़ीकरण पुनः



फोर लेन सङ्कट की सुट्टीकरण व चौड़ीकरण योजना का शिलान्यास करती विधायक सभिता महतो व उपस्थित अन्य।

निर्माण का कार्ब 67 करोड़ रुपये कि लागत सङ्कट का चौड़ीकरण और युर्निर्माण होने से से किया जाएगा। विधायक ने कहा उक्त जमशेदपुर अनें जाने वाले लोगों को कानी

जमशेदपुर अनें जाने वाले लोगों को कानी

## फूट प्लाजा सिद्गोड़ा में मिथिला परंपरा से 10 दिवसीय शारदीय नवरात्र पूजन शुरू

### खबर मन्त्र व्यूटो



जमशेदपुर।

सार्वजनिक दुर्गा पूजा

कमिटी फूट प्लाजा

सिरोडोडा में मिथिला परम्परा द्वारा विधि-विधान से दस दिवसीय

कलश स्थापना कर्मसी के बैवरमैन एवं

शारदीय नवरात्र के यजमान

महासचिव धर्मेंश कुमार जा लड्कों का

पर्दित गोविंद जा दामोदर जा एवं

नविन जा एवं अनिल पिंगे ने शारदीय नवरात्र के

नेतृत्व में अखिल भारतीय गोविंद

स्मृति विहृत से समाप्ति किया गया।

साथ ही विभिन्न भक्त जनों के 28

कलश स्थापित किए गए कलश

स्थापना संकल्प के साथ ही समाज के गणपात्र

लोगों में गोपेश जा, विजय ख्या, ललन

घंटे के लिए अखंड रामचरितमानस

पाठ शुरू हुआ। आज के मुख्य

अतिथि जियाडा के क्षेत्रीय निर्देशक

किया गया। दूसरी ओर जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय ने गुरुवार को कहा कि एमजीएम कांडेज

अस्पताल, जमशेदपुर के नये भवन में चिकित्सा की तैयारी के बिना ही ओपीडी का उद्घाटन करेंगे। यह अस्पताल बन कर तैयार है।

उद्घाटन के पूर्व की तैयारियों को अतिम रुप देने के लिए डीरी

अनन्य मिल और एसडीओ श्रीमती

शताब्दी मुख्यमंत्री ने अपीड़ी टीम का

साथ अस्पताल भवन का निरेक्षण

किया। दूसरी ओर जमशेदपुर पूर्वी के

विधायक सरयू राय ने गुरुवार को

कहा कि एमजीएम कांडेज

अस्पताल, जमशेदपुर के नये भवन में चिकित्सा

की तैयारी के बिना ही ओपीडी

का उद्घाटन करेंगे। यह अस्पताल

महामहिम को अंगवर्ष भेंट कर

उनके दुरदर्शी सांच का ही

पहले से डबल एरिया और

सेंट्रोडाइज एसी की सुविधा से लैश

हुआ 1952 का थो रुम

खबर मन्त्र व्यूटो

जमशेदपुर। साकची बाजार स्थित

श्रीलेदस साकची के द्वारा रियोवेटेड

शो-रस्म का शुभारम्भ दिनांक 04

अक्टूबर 2024 को होना निश्चित

हुआ है। श्रीलेदस के संस्थापक

स्वर्ण श्री सुरेश चांद द्वे एक दुरदर्शी

स्वतंत्रता सेनानी एवं देश के प्रति

निष्पत्ति व्यापी जे जियार

श्रीलेदस का पहला शो-रस्म 2024

में साकची बाजार से शुरूआत की

थी। उनके दुरदर्शी सांच का ही

निष्पत्ति व्यापी जे जियार

श्रीलेदस के भारत में एक

विश्वसनीय ब्रांड के रूप में जाना

जाता है। स्वर्ण सुरेश चन्द्र द्वे के

केवल पूरे देश बल्कि देश के बाहर

भी अपने पिता के पदविहीनों पर

हाजारों लोगों के रोजगार

के अक्षरांश के बाहर से शुरूआत

होनी चाही दी जाती है। जियार

श्रीलेदस के भारत में एक

विश्वसनीय ब्रांड के रूप में जाना

जाता है। स्वर्ण सुरेश चन्द्र द्वे के

पौद्द्रव्य एवं स्वर्ण आशिष द्वे के

पूर्वोंपर ज्ञान द्वे के

पौद्द्रव्य एवं स्वर्ण आशिष द्वे के

पौद्द्रव्य एवं स्वर्ण





